स्वास्थ्य समता पाठ्यक्रम-2025

(The Health Equity Course-2025)

पाठ्यक्रम श्रृंखला कड़ी- 3

पाठ्यक्रम की रूपरेखा एवं आवेदन प्रक्रिया

पाठ्यक्रम का विषय: सामुदायिक भागीदारी द्वारा जन स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान व स्वास्थ्य समता का निर्माण

दिनांक: 04 नवम्बर (मंगलवार), 2025 से 14 नवम्बर (शुक्रवार), 2025
**** प्रतिभागियों को 03 नवम्बर तक पाठ्यक्रम स्थल पहुंचना होगा और 15 नवम्बर को वापस प्रस्थान करना होगा।***

स्थान: जयपुर, राजस्थान

भाषा का माध्यम : हिन्दी

पाठ्यक्रम किनके लिए है : स्वास्थ्य अथवा सामाजिक विकास के विषयों पर कार्यरत कोई भी गैर सरकारी, स्वेच्छिक अथवा नागरिक आधारित संस्थाओं, संगठनों (NGO, CBO, networks etc) इत्यादि से जुड़े कार्मिक, जिनकी आयु 40 वर्ष या उस से कम हो और जिन्हें कम से कम 3 वर्ष का कार्यानुभव हो।

(अन्य पात्रताओं हेतु पृष्ठ 5 पर जाएँ)

पाठ्यक्रम में कुल सीट : 12

आवेदन पत्र डाउनलोड करने का लिंक : https://prayaschittor.org/HealthEquityCourse2025.php

आवेदन कहाँ भेजें : application@prayaschittor.org

आवेदन भेजने की अंतिम तिथि : 18 अगस्त (सोमवार), 2025

पाठ्यक्रम शुल्क : शून्य

आयोजक : प्रयास

प्रयास का परिचय

प्रयास एक गैर सरकारी संस्था है जो की 1979 से ग्रामीण व पिछड़े वर्गों के आर्थिक व सामाजिक विकास, और विशेष रूप से उनके स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार हेतु कई क्षेत्रों में काम कर रही है। प्रयास ने अपनी गतिविधियाँ राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के देवगढ़ नामक एक सुदूर आदिवासी गाँव से शुरू कीं थी और फिर राजस्थान के कई हिस्सों और देश के कई राज्यों में स्वास्थ्य व अन्य विषयों पर कार्य करने का अनुभव प्रयास को प्राप्त हुआ। प्रयास के काम का एक बड़ा हिस्सा समुदाय समूहों के माध्यम से वंचित जनसँख्या वर्ग में स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों को लेकर बेहतर समझ बनाने व ग्राम स्वास्थ्य सुधार में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में रहा है। दशकों से वंचित व ग्रामीण समुदायों के साथ काम करते हुए प्रयास को स्वास्थ्य विषयों पर समुदाय एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित करने का, स्वास्थ्य के विभिन्न विषयों पर अध्ययन करने का, एवं स्वास्थ्य नीतियों के विशलेषण का व्यापक अनुभव प्राप्त है। राज्य व केंद्र स्तर पर स्वास्थ्य के कई कार्यक्रमों, योजनाओं व कानूनों के निर्माण में प्रयास की अहम भूमिका रही है ।

विषय सूचि

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ
A.	पाठ्यक्रम की रूपरेखा	3-6
A.1.	पृष्ठभूमि	3
A.2.	पाठ्यक्रम के उद्देश्य और सिद्धांत	4
A.3.	आवेदन हेतु पात्रता	5
A.4.	आवेदक एवं उनकी संस्था संगठन/से अपेक्षा	5-6
B.	आवेदन प्रक्रिया	6-7
B.1	आवेदन कैसे करें	6-7
B.2.	चयन प्रक्रिया	7
B.3.	पाठ्यक्रम की फीस	7
C.	संपर्क	7

A. पाठ्यक्रम की रूपरेखा

A.1. पृष्ठभूमि :

i) भारत में स्वास्थ्य की स्तिथि:

भारत के अधिकांश नागरिकों के लिए उचित स्तर की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी एक बड़ी चुनौती है। इस तथ्य के बावजूद कि भारत ने आज़ादी के 75 से अधिक सालों में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन के विकास में उल्लेखनीय प्रगति की है, किन्तु अभी भी कई मायनों में स्वास्थ्य प्रणाली में काफ़ी सुधार की आवश्यकता है। मातृ मृत्यु, शिशु मृत्यु, कुपोषण, अनेमिया, TB इत्यादि जैसे स्वास्थ्य के प्रमुख सूचकांक यदि देखें तो हम अभी भी विश्व के अधिकतर देशों से कहीं पीछे हैं।

सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के कमज़ोर होने से जनसंख्या का एक बड़ा वर्ग आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रह जाता है अथवा उन्हें न चाहते हुए भी निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं पर निर्भर होना पड़ता है । यह निर्भरता कई परिवारों के लिए अतिरिक्त वित्तीय भार उत्पन्न करती है जिस से वे गरीबी में धंसते जाते हैं । साथ ही समुदायों के भीतर व्यापक असमताएं व्याप्त हैं जो स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं । आवश्यकता से कहीं कम संसाधनों व सुविधाओं में जीवन यापन करने वाले परिवार अभी भी देश की कुल जनसंख्या का एक बहुत बड़ा हिस्सा हैं। उनमें से अधिकांश गांवों में अथवा बस्तियों में रहने वाले व सामाजिक रूप से बहिष्कृत समुदायों से हैं। निरंतर और अंतरपीढ़ीगत अभाव में रहते हुए उन्हें स्वस्थ जीवन जीने के लिए कई प्रकार की बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

ii) समुदाय आधारित स्वास्थ्य प्रक्रियाओं का महत्त्व व उसमें संस्थाओं/संगठनों की भूमिका :

भारत जिस भारी जन स्वास्थ्य बोझ से घिरा हुआ है और जिस प्रकार वैश्विक तथा स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सम्बन्धी नई चुनोतियाँ उभर कर आ रही हैं ऐसे में आवश्यकता है कि स्वास्थ्य और स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों को व्यापक रूप से समझा जाये व स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों को जड़ से समाप्त या नियंत्रित करने हेतु ऐसी नवीन प्रक्रियाएं स्थापित की जाएँ जिसमें समुदाय की बराबरी की भागीदारी हो ।

स्वेच्छिक संस्थाएं और समुदाय आधारित संगठन जनता की बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, विशेषकर उन समुदायों के लिए जो हाशिये पर हैं और अपने लिंग, सामाजिक बहिष्कार, आर्थिक स्थितियों इत्यादि के कारण अभाव में जीवन जी रहे हैं।

पूर्व में कई संस्थाओं व संगठनों ने यह सिद्ध किया है कि समुदाय आधारित स्वास्थ्य प्रक्रियाओं के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता व स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में काफ़ी हद तक सुधार लाया जा सकता है । इन सफल समुदाय आधारित प्रक्रियाओं को स्वेच्छिक व नागरिक संस्थाओं, जन समूहों और जन स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से और विस्तारित करने की आवश्यकता है। साथ ही आवश्यकता है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्था व संगठन नित उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य चुनोतियों को समझने व पहचानने हेतु निरंतर अपनी क्षमताओं का विकास करते रहें व उनके आधार पर समुदाय आधारित नवीन स्वास्थ्य प्रक्रियाओं को विकसित व क्रियान्वित करते रहें ।

iii) स्वास्थ्य समता पाठ्यक्रम की शुरुआत :

स्वास्थ्य व सामाजिक विकास के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं व संगठनों से जुड़े युवा प्रतिनिधियों में स्वास्थ्य असमताओं व चुनोतियों पर बेहतर समझ बन सके व इन असमताओं को दूर करने हेतु वेसमुदाय आधारित प्रक्रियाओं व सहभागिता शैली को प्रभावपूर्ण ढंग से अपने कार्य में समाहित कर सकें, इस दृष्टी के साथ **"स्वास्थ्य समता पाठ्यक्रम"** की शुरुआत वर्ष 2023 में प्रयास द्वारा की गयी थी । अब तक आयोजित इस पाठ्यक्रम के दो बैच में 12 राज्यों से 28 संभागी जुड़ चुके हैं । इस वर्ष, याने की 2025 में, हम इस पाठ्यक्रम के तीसरे बैच का आयोजन करने जा रहे हैं जिसके लिए आवेदन आमंत्रित हैं ।

A.2. पाठ्यक्रम के उद्देश्य और सिद्धांत:

i) उद्देश्य:

पाठ्यक्रम का उद्देश्य जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में सार्थक योगदान देने हेतु आवश्यक कौशल, दक्षताओं और मूल्यों से लैस युवा नेतृत्व को तैयार करना है । यह पाठ्यक्रम स्वास्थ्य चुनोतियों व असमताओं को सामाजिक निर्धारकों के दृष्टिकोण से देखने व समझने की क्षमता को विकसित करने के साथ साथ सामुदायिक सहभागिता की विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से उनके समाधान ढूँढने पर केंद्रित होगा।

पाठ्यक्रम के अंत तक, प्रतिभागी निम्नलिखित विषयों पर बहतर समझ बना पाएंगे:

- स्वास्थ्य, स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक, स्वास्थ्य समता एवं स्वास्थ्य अधिकारों के बुनियादी सिद्धांत।
- समुदाय आधारित समूहों के महत्त्व व सिद्धांत को समझना व उनके क्षमतावर्धन के लिए प्रभावी तरीके खोजना
- जन स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान हेतु समुदाय आधारित प्रक्रियाओं का निर्माण व उपयोग करना।
- जन स्वास्थ्य कार्यक्रम/परियोजनाओं, प्रशिक्षण और संस्थागत प्रबंधन करने में सहभागी शैली (participatory approach) को लागू करने हेतु स्वयं के कौशल को बढ़ाना।
- प्रभावी सामुदायिक स्वास्थ्य और विकास कार्यकर्ता बनने के लिए अपने स्वयं के दृष्टिकोण और मूल्यों का विस्तार करना।

**उपरोक्त अस्थायी उद्देश्य हैं। पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा विशिष्ट उद्देश्यों और गतिविधियों को सामूहिक रूप से विकसित और अंतिम रूप दिया जाएगा।*

ii) पाठ्यक्रम के मूल सिद्धांत और शैली:

- पाठ्यक्रम हिंदी में होगा और सहभागी शैली (participatory approach) का पालन करेगा । इसके मायने यह हैं की पाठ्यक्रम के सत्र, उनके प्रवाह, उनका सञ्चालन और सत्र के बाद मूल्यांकन इत्यादि को तय करने में प्रतिभागियों की अहम भूमिका रहेगी।
- पाठ्यक्रम आयोजक और सन्दर्भ व्यक्ति केवल मार्गदर्शक और सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करेंगे। वे प्रतिभागियों को तकनीकी सहयोग प्रदान करने के साथ साथ प्रश्न पूछने, विश्लेषण करने, अनुभव साझा करने और पारस्परिक सीख के माहौल को बनाये रखने में सहायता करेंगे।
- सत्र समय के बाहर प्रतिभागियों के बीच पारस्परिक आदान प्रदान व सीखने सिखाने की प्रक्रिया पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगी । यही कारण है कि इस पाठ्यक्रम को आवासीय रखा गया है ।
- सत्रों को व्याख्यान और पावरपॉइंट प्रस्तुतियों तक सीमित न रख कर विभिन्न संवादात्मक गतिविधियों, जैसे समूह चर्चा व केस प्रस्तुतियाँ, रोल प्ले/नाटक, प्रश्नोत्तरी/इंटरैक्टिव खेल, तस्वीरों/फ़िल्मों पर आधारित चर्चाएँ, फील्ड का दौरा और सामुदाय सदस्यों से बातचीत, इत्यादि के माध्यम से संचालित किया जाएगा।

इस प्रकार पाठ्यक्रम निम्नलिखित सिद्धांतों और विधियों पर आधारित होगा:

- प्रतिभागी अपने सीखने और दूसरों को सिखाने की जिम्मेदारी लेंगे ।
- प्रतिभागी पाठ्यक्रम सामग्री व सत्र प्रक्रियाओं को विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे और सत्रों के सञ्चालन में सहभागी शैली (participatory approach) को लागू करेंगे।
- प्रतिभागी अपने विचारों और अनुभवों को साझा कर सामूहिक रूप से एक दूसरे से सीखेंगे ।
- यह प्रक्रिया उन्हें सहभागी शैली (participatory approach) के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाने के महत्व को समझने में सक्षम बनाएगी।

A.3. <u>आवेदन हेतु पात्रता</u> :

(कृपया इस भाग को ध्यान से पढ़ें एवं सभी पात्रताएं पूरी होने पर ही आवेदन करें(

- आवेदक किसी गैर सरकारी या समुदाय आधारित संस्था, संगठन, ट्रस्ट या किसी भी शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध इत्यादि सबंधित एजेंसी से जुड़े हों जो की स्वास्थ्य अथवा उस से संबंधित क्षेत्र में विगत कम से कम पाँच (5) वर्षों से सक्रिय रूप से कार्य कर रही हो ।
- आयु 40 वर्ष या उस से कम हो।
- न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी भी क्षेत्र में स्नातक हो।
- स्वास्थ्य या संबंधित विकास के मुद्दे पर किसी भी रूप में समुदायों के साथ मिलकर काम करने का कम से कम तीन (3) साल का अनुभव हो व वर्तमान संस्था/संगठन में कम से कम एक (1) वर्ष से कार्यरत हों।
- वर्तमान में आवेदक संस्था/संगठन में कम से कम मध्य-स्तरीय नेतृत्व की स्थिति में हों जहां वह अपने कार्य में सार्थक बदलाव लाने हेतु व नई प्रक्रियाओं को लागू करने के लिए निर्णय लें सकें।
- स्वास्थ्य और स्वास्थ्य अधिकारों पर कार्य करने की प्रबल प्रतिबद्धता हो।
- हिंदी में पढ़ने, लिखने और संचार का अच्छा कौशल हो और अंग्रेजी में पढ़ने, लिखने का बुनियादी कौशल ।
- वे जिज्ञासु, हर माहौल में ढल सकने में सक्षम, समूह कार्य व चर्चाओं के लिए खुले, तथा घटनाओं और स्थितियों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण रखते/रखती हों ।
- पाठ्यक्रम से प्राप्त सीखों और प्रक्रियाओं का अपने कार्यक्षेत्र में उपयोग करने के लिए उन्हें अपनी संस्था/संगठन से मजबूत समर्थन प्राप्त हो।
- पाठ्यक्रम पश्चात भी वर्तमान संता/संगठन में काम जारी रखने की प्रतिबद्धता हो।
- **पाठ्यक्रम की पूर्ण अवधि व सभी सत्रों में भाग ले सकें।**
- **क्योंकि यह एक आवासीय पाठ्यक्रम है, अतः सभी प्रतिभागियों के लिए पाठ्यक्रम की पूर्ण अवधि तक पाठ्यक्रम स्थल पर ही रहना अनिवार्य होगा ।**

A.4. <u>आवेदक एवं उनकी संस्था संगठन/से अपेक्षा</u>:

i) आवेदक से अपेक्षा:

- आवेदक आवेदन प्रपत्र स्वयं भरें न कि किसी और से भरवाएं । जहाँ दिक्कत हो वहाँ वे आयोजकों से संपर्क कर अथवा अपनी संस्था के किसी साथी से मार्गदर्शन प्राप्त करें ।
- **चयनित होने पर निम्न के प्रति प्रतिबद्ध हों:**
  - ✓ पाठ्यक्रम में आने से पूर्व दिए गए असाइंमेंट व पठन कार्य पूर्ण कर के आयें ।
  - ✓ अपने कार्य से सम्बंधित विशिष्ट केस स्टडी साथ ले कर आयें जिनका उपयोग पाठ्यक्रम सामग्री के रूप में किया जा सके ।
  - ✓ जिन विषयों पर प्रतिभागी की विशेष समझ व अनुभव है उन पर वे सत्र/चर्चा को आयोजित करने का नेतृत्व लें।
  - ✓ पाठ्यक्रम के अंत में वे एक <u>**सामुदायिक स्वास्थ्य कार्ययोजना तैयार करें**</u> जिसमें वे पाठ्यक्रम के दौरान सीखी प्रक्रियायों को सम्मिलित करें। पाठ्यक्रम के पश्चात प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाएगी कि वे समय-समय पर उनके द्वारा प्रारंभ किए गए सामुदायिक स्वास्थ्य कार्ययोजना की रिपोर्ट साझा करें।
  - ✓ <u>**पाठ्यक्रम में संस्था सम्बंधित काम का भार न लेकर आयें अथवा उसे न्यूनतम रखें।**</u>
  - ✓ <u>**यदि उनके पास स्वयं का या संस्था द्वारा प्रदान किया गया लैपटॉप है तो उसे अवश्य साथ ले कर आयें**</u> ।
  - ✓ पाठ्यक्रम पश्चात पारस्परिक सीख की निरंतरता बनाये रखने के लिए और कार्ययोजना को प्रारंभ करने या सुदृढ़ करने में प्रतिभागियों को तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु निरंतर कार्यशालाओं व चर्चाओं का आयोजन किया जायेगा जिनमें भाग लेने हेतु वे समय निकालें ।

ii) आवेदक की संस्था/संगठन से अपेक्षा:

- पाठ्यक्रम के आवेदन प्रपत्र को भरने हेतु आवेदक को संस्थागत कार्य के बीच में से समय निकालने में सहयोग करें व उचित मार्गदर्शन प्रदान करें ।
- **आवेदक के चयनित होने पर :**
  - ✓ पाठ्यक्रम के दौरान आवेदक पूर्ण रूप से सत्रों पर ध्यान केन्द्रित कर पायें इस हेतु उन्हें पाठ्यक्रम अवधि तक संस्थागत कार्यों से मुक्त रखें ।
  - ✓ आवेदक के पास स्वयं का लैपटॉप नहीं होने की स्तिथि में उन्हें संस्था/संगठन द्वारा पाठ्यक्रम की अवधि तक के लिए लैपटॉप प्रदान किये जाने का प्रयत्न करे जिस से कि वे पाठ्यक्रम कि गतिविधियों में प्रभावी रूप से हिस्सा ले सकें।
  - ✓ पाठ्यक्रम से सीखी गयीं प्रक्रियायों व विधियों को यदि आवेदक अपने कार्य में उपयोग में लेना चाहें तो उस हेतु उन्हें उचित अवसर व मार्गदर्शन प्रदान करें ।
  - ✓ पाठ्यक्रम पश्चात सीखने सिखाने की कड़ी को बनाये रखने हेतु आयोजित विभिन्न ऑनलाइन सत्रों में भाग लेने हेतु आवेदक को प्रेरित करें व संस्थागत कार्यों के बीच में से समय निकलने में उनका सहयोग करें ।

B. आवेदन प्रक्रिया

B.1. <u>आवेदन कैसे करें</u>:

i) आवेदन प्रपत्र डाउनलोड करने का लिंक:

<u>https://prayaschittor.org/HealthEquityCourse2025.php</u>

नोट : यदि प्रपत्र डाउनलोड करने में कोई समस्या आये तो कृपया हम से ई-मेल अथवा फ़ोन पर तुरंत संपर्क करें।

ii) आवश्यक दस्तावेज़ :

पाठ्यक्रम में आवेदन हेतु निम्नलिखित दस्तावेज़ **<u>अनिवार्य</u>** हैं :

a) पूर्ण रूप से कंप्यूटर पर टाइप कर हिंदी में भरा <u>आवेदन प्रपत्र</u> जिसमें:
- आवेदक की फोटो चस्पा हो (फ़ोटो पासपोर्ट साइज़ व रंगीन हो और छः माह से पुरानी न हो)
- आवेदक की संस्था/संगठन के प्रतिनिधी का वक्तव्य हस्ताक्षर समेत अवश्य हो

b) संस्था/संगठन की जानकारी:
- वार्षिक गतिविधि रिपोर्ट – 2024 अथवा 2023 (जो भी उपलब्ध हो)

iii) आवेदन कैसे भेजें :

भाग B.1(i) में बताये गए सभी दस्तावेजों के साथ आप अपना आवेदन **<u>ई-मेल द्वारा</u>** निम्न आईडी पर भेजें :

<u>application@prayaschittor.org</u> (ई-मेल के विषय में HEC-2025 लिखें)

iv) आवेदन की अंतिम तिथि :

आवेदन करने की अंतिम तिथि **<u>18 अगस्त 2025</u>** है ! इसके उपरान्त प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे ।

B.2. चयन प्रक्रिया:

- आवेदन प्रपत्र एवं सभी आवश्यक दस्तावेज़ प्राप्त होने के बाद सभी आवेदनों की स्क्रीनिंग की जाएगी जिसमें की आवेदक द्वारा भेजी गयी जानकारी अनुसार उनके कौशल, क्षमता और अनुभव का अवलोकन किया जायेगा।
- स्क्रीनिंग में चुने गए आवेदकों और उनकी संस्था/ संगठन के प्रतिनिधि के साथ माह अगस्त/सितम्बर 2025 में ऑनलाइन साक्षात्कार आयोजित किये जायेंगे। यह साक्षात्कार उनके कार्य को बेहतर समझने और पाठ्यक्रम से जुड़ने के उनके कारणों को और बेहतर जानने के उद्देश्य से किये जायेंगे ।
- आवेदन प्रपत्र व साक्षात्कार के आधार पर अंतिम चयन होगा ।
- चयन परिणामों की घोषणा सितंबर 2025 के मध्य में की जाएगी ।
- सफल आवेदकों को ई-मेल द्वारा सूचित किया जायेगा और पाठ्यक्रम की तैयारी से सम्बंधित सभी जानकारी उन्हें प्रदान की जाएगी ।

- ***ध्यान रखें कि एक संस्था/संगठन से एक ही प्रतिभागी का चयन किया जायेगा ।***

B.3. पाठ्यक्रम की फीस:

यह पाठ्यक्रम निःशुल्क है और इसकी कोई फीस नहीं है ।

i) प्रयास निम्नलिखित वित्तीय भार की ज़िम्मेदारी लेने में समर्थ होगा:
- पाठ्यक्रम अवधि के दौरान प्रतिभागियों का आवास व भोजन
- प्रतिभागियों के जयपुर आगमन और वापसी का खर्च (एसी बस या ट्रेन-एसी III टियर द्वारा)

ii) प्रतिभागियों की संस्था/संगठन से निम्नलिखित वित्तीय जिम्मेदारी लेने का अनुरोध है:
- प्रतिभागी द्वारा स्थानीय परिवहन व्यय
- प्रतिभागियों द्वारा यात्रा के दौरान किए गए अन्य खर्च जैसे भोजन इत्यादि

C. संपर्क

यदि आपको पाठ्यक्रम से सम्बंधित अधिक जानकारी की आवश्यकता हो या फिर आवेदन प्रपत्र से सम्बंधित कोई प्रश्न या शंका हो, तो आप हमसे यहाँ संपर्क कर सकते हैं:

- **पाठ्यक्रम सचिवालय :** प्रयास, 158-एस.बी.विहार, स्वेज फार्म, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर-302019, राजस्थान
- **ई-मेल:** application@prayaschittor.org **(कृपया विषय में 'Query- HEC 2025' लिखें)**
- **फ़ोन:** 0141-2290593 (सोम-शनि प्रातः 11 बजे से शाम 6 बजे तक)

ध्यान दें:
- यदि आवेदन भेजने के 3 दिन के भीतर आपको प्रयास से कोई ई-मेल प्राप्त न हो, तो कृपया हमसे संपर्क करें ।
- दस्तावेजों की जांच के बाद आवेदक से संशोधित आवेदन प्रपत्र या अतिरिक्त जानकारी मांगी जा सकती है।